महाविद्यालय कुलगीत

बिजली पासी महाविद्यालय, हम सबको अति प्यारा है।
यहाँ प्रवाहित होती मन में, आदर्शों की धारा है।।

केन्द्र ज्ञान–विज्ञान कला का, यह विद्या का आलय है,
तेज–ओज सद्भाव प्रेममय, यह अपूर्व विद्यालय है।
महाराजा बिजली पासी का, गौरवशाली नाम मिला,
बिजली पासी किला सरीखा, प्रांगण पावन धाम मिला।।

भव्य विशाल भवन अति पावन, उसकी छटा निराली है,
बलिदानी इतिहास लिए है, अतिशय गौरवशाली है।
इसकी धवल कीर्ति गाथा से, पुलकित हुआ आशियाना,
जीवन कौशल के विकास का, फैल रहा ताना–बाना।

दूर–दूर गावों से पढ़ने, छात्र यहाँ पर आते हैं,
जीवन के उलझे प्रश्नों को, गुरुजन मिल सुलझाते हैं।
है दूरस्थ शिक्षा का भी, सुन्दर केन्द्र विशाल यहाँ
कर चरित्र निमार्ण युवा का, उन्नत होता भाल यहाँ।

योग्य मनस्वी गुण निधान, शिक्षक प्रकाश फैलाते हैं,
विनयशील, जिज्ञासु छात्र का, जीवन सफल बनाते हैं।
भारत और भरती का जयगान यहाँ पर होता है,
कण–कण यश की गाथाओं के उज्जवल सूत्र पिरोता है।

बिजली पासी महाविद्यालय, हम सबको अति प्यारा है।
यहाँ प्रवाहित होती मन में, आदर्शों की धारा है।।

डॉ. भारती सिंह